प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 09 अप्रैल , 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज केनरा बैंक ऑफिसर्स ऑर्गेनाइजेशन (NOBO & BMS) का एक प्रतिनिधिमंडल ने संगठन महामंत्री श्री नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में राज भवन शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधियों ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े अधिकारी न केवल अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, बल्कि समाज सेवा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण द्वारा होटल रेडिशन ब्लू में आयोजित "नारी सम्मान समारोह" में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि नारी शक्ति ही सृजन, ममता और शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं ईश्वर का वास होता है।"

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह समारोह उन बेटियों, माताओं और बहनों को समर्पित है, जिन्होंने साहस, संकल्प और प्रतिभा से समाज में एक विशेष स्थान बनाया है। उन्होंने पद्मश्री छुटनी महतो और पद्मश्री चामी मुर्मू के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि ये महिलाएँ समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई सम्मानित महिलाएँ सामाजिक एवं आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद अपने आत्मबल और संघर्ष से आगे बढ़ीं और सफलता अर्जित की। उन्होंने कहा, "आपकी परिस्थितियाँ नहीं, आपकी सोच और कर्म ही आपकी असली पहचान हैं।"

माननीय राज्यपाल ने सम्मानित चिकित्सकों से अपेक्षा की कि वे सेवा को अपने पेशे का मूल बनाते हुए निःस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की मदद करें। साथ ही, विद्यालय प्रबंधन से आह्वान किया कि

वे संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर दें। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उन्होंने सदैव जनसेवा को अपना ध्येय बनाया और बरेली की जनता के विश्वास के बल पर 8 बार लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रधानमंत्री जी द्वारा आरंभ की गई 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना', 'मातृत्व वंदना योजना' जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को राष्ट्रनिर्माण की धुरी मानती है। उन्होंने कहा, "जब महिलाएँ सशक्त होंगी, तभी भारत आत्मनिर्भर होगा।"

राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि हमें केवल महिलाओं के संघर्ष की सराहना नहीं करनी है, बल्कि उनके मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर करना है। उन्होंने समाज से बेटियों और बेटों में भेदभाव न करने की अपील करते हुए कहा कि "बेटियाँ बोझ नहीं, वरदान हैं, यह सोच हर घर की नींव बननी चाहिए।"